

## पृथ्वी-II मसिाइल

### प्रलिमिस के लिये:

पृथ्वी-II, DRDO, IGMDP, अग्निIV, बैलसिटिक मसिाइल, वभिन्न प्रकार की मसिाइलें।

### मेन्स के लिये:

भारत की मसिाइल प्रौद्योगिकी, IGMDP।

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत ने सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम कम दूरी की बैलसिटिक मसिाइल पृथ्वी- II का रात में सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

- इससे पहले इंटरमीडिएट रेंज की बैलसिटिक मसिाइल अग्नि IV का परीक्षण किया गया था जो 4,000 किमी. की दूरी तय कर सकती है।



### पृथ्वी-II मसिाइल की मुख्य वशिष्टताएँ:

- परिचय:

- पृथ्वी-II एक स्वदेश में वकिसति सतह-से-सतह पर मार करने वाली शॉर्ट-रेंज बैलसिटिक मसिाइल (SRBM) है, जिसकी रेंज लगभग

- 250-350 कमी है और यह एक टन पेलोड ले जा सकती है।
- पृथ्वी-II वर्ग एक एकल-चरण तरल-ईंधन वाली मसिाइल है, जिसमें 500-1000 किलोग्राम की वारहेड माउंटिंग क्षमता है।
- यह मसिाइल प्रणाली बहुत उच्च स्तर की स्टीकेटा के साथ लक्ष्य भेदने में सक्षम है।
- अत्याधुनिक मसिाइल अपने लक्ष्य को भेदने के लिये कुशल प्रक्षेपवक्र के साथ एक उन्नत जड़त्वीय मार्गदर्शन प्रणाली का उपयोग करती है।
- इसे शुरू में भारतीय वायुसेना के लिये प्राथमिक उपयोगकर्ता के रूप में विकसित किया गया था और बाद में इसे भारतीय सेना में भी शामिल किया गया था।
- जबकि मसिाइल को 2003 में पहली बार भारत के सामरकि बल कमान में शामिल किया गया था, यह IGMDP के तहत विकसित पहली मसिाइल थी।

#### ■ निर्माण:

- भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के एकीकृत नियंत्रित मसिाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के तहत।

## पृथ्वी मसिाइल:

- पृथ्वी मसिाइल प्रणाली में विभिन्न सामरकि सतह से सतह पर कम दूरी की बैलसिटिक मसिाइल (SRBM) शामिल हैं।
- इसका विकास वर्ष 1983 में शुरू हुआ और यह भारत की पहली स्वदेशी बैलसिटिक मसिाइल थी।
- इसका पहला परीक्षण वर्ष 1988 में श्रीहरकिंटा, शार (SHAR) सेंटर से किया गया था।
  - इसकी रेंज 150-300 किमी है।
- पृथ्वी I और पृथ्वी III श्रेणी की मसिाइलों के नौसैनिक संस्करण का कोड-नाम धनुष है।
- प्रणोदन तकनीक सोवियत SA-2 सतह से हवा में मार करने वाली मसिाइल पर आधारित थी।
  - सोवियत SA-2 सतह से हवा में मार करने वाली मसिाइल:
    - वर्ष 1950 के दशक के मध्य में विकसित, सोवियत SA-2 सतह से हवा में मार करने वाली मसिाइल सोवियत संघ की सतह से हवा में मार करने वाली पहली प्रभावी मसिाइल थी।
    - इसे सारकि परमाणु हथियार के रूप में युद्धक्षेत्र मसिाइल हेतु डिज़ाइन किया गया था जो परमाणु हथियार ले जा सकता था।
- पृथ्वी I मसिाइल वर्ष 1994 से भारतीय सेना में सेवारत है।
  - कथति तौर पर, प्रहार मसिाइलों को पृथ्वी I मसिाइलों से बदला जा रहा है।
- पृथ्वी II मसिाइलें वर्ष 1996 से सेवा में हैं।
- 350 किमी की अधिक विस्तारितरेंज वाले पृथ्वी III का वर्ष 2004 में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था।

## एकीकृत नियंत्रित मसिाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP):

#### ■ परिचय:

- IGMDP मसिाइलों की एक विस्तृत शृंखला के अनुसंधान और विकास के लिये भारतीय रक्षा मंत्रालय का एक कार्यक्रम था।
- परियोजना वर्ष 1982-1983 में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के नेतृत्व में शुरू हुई थी।
- इस कार्यक्रम ने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को भारत का मसिाइल मैन बना दिया।
- एकीकृत नियंत्रित मसिाइल कार्यक्रम वर्ष 2008 में पूरा हुआ था।

## IGMDP के तहत विकसित पाँच मसिाइलों:

- इस कार्यक्रम के तहत विकसित 5 मसिाइलों (P-A-T-N-A) हैं:
  - पृथ्वी: सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम कम दूरी वाली बैलसिटिक मसिाइल।
  - अग्नि: सतह-से-सतह पर मार करने में सक्षम मध्यम दूरी वाली बैलसिटिक मसिाइल, यानी अग्नि (1,2,3,4,5)।
  - त्रशूल: सतह से आकाश में मार करने में सक्षम कम दूरी वाली मसिाइल।
  - नाग: तीसरी पीढ़ी की टैक भेदी मसिाइल।
  - आकाश: सतह से आकाश में मार करने में सक्षम मध्यम दूरी वाली मसिाइल।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, विवित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. अग्नि IV मसिाइल के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (2014)

- यह सतह से सतह पर मार करने वाली मसिाइल है।
- यह केवल तरल प्रणोदक द्वारा संचालित होती है।
- यह लगभग 7500 किमी दूरी तक एक टन परमाणु आयुध पहुँचाने में सक्षम है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1

- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

- अग्नि- IV भारत की परमाणु-संपन्न लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी मारक क्षमता 4,000 किमी. है।
- सवदेश नरिमति अग्नि- IV सतह से सतह पर मार करने वाली दो चरणों वाली मिसाइल है। यह 17 टन वज़न के साथ 20 मीटर लंबी है अतः कथन 1 सही है।
- यह दो चरणों वाली ठोस ईंधन प्रणाली है जो एक टन के परमाणु हथयार को 4,000 किलोमीटर की दूरी तक ले जा सकती है अतः कथन 2 और 3 सही नहीं हैं।

अतः वकिलप (a) सही उत्तर है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prithvi-ii-missile>

